

प्रेषक,

विजय कुमार ढौंडियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,  
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 02-<sup>मार्च</sup> 2009

विषय: कुम्भ मेला वर्ष 2010 हरिद्वार के अन्तर्गत कनखल स्थित शमशान घाट के नवीनीकरण कार्य हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 627/कु.मे./सिं.वि. हरिद्वार दिनांक 31.10.2008 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड, सिंचाई विभाग, हरिद्वार द्वारा कनखल स्थित शमशान घाट के नवीनीकरण के कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 6.44 लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु. 6.44 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति देते हुए, वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्रथम तथा अन्तिम किस्त के रूप में रु. 6.44 लाख (रु. छः लाख चौवालीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाय। इसके लिए यथा आवश्यकता, निगरानी समिति का गठन कर लिया जाय।
2. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित कराना आवश्यक होगा।
3. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व निर्माण ऐजन्सी से शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर मानक अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।
4. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितनी राशि स्वीकृति की गयी है।
6. एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
7. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
8. निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 का पालन कड़ाई से किया जाय। टैण्डर में प्राप्त न्यूनतम दर यदि उक्त लागत से कम दर पर प्राप्त होती है तो अन्तर की समस्त धनराशि राज्य सरकार को समर्पित कर दी जाएगी।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपर्युक्त सामग्री का ही प्रयोग में लाया जाए।
10. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्यस्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिए गये निर्देशों के अनुसार कार्य कराया जाय।
11. उक्त धनराशि को प्रथम एवं अन्तिम किस्त के रूप में इस निर्देश के साथ अवमुक्त की जा रही है कि कार्यदायी संस्था द्वारा प्रत्येक दशा में दिनांक 31.03.2009 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उपयोगिता प्रमाण पत्र सहित उपलब्ध करा दिया जायेगा।

12. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित अधिशासी अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। उक्त कार्य हेतु पुनः मेले के बजट से मेले के पूर्व कोई धनराशि अवमुक्त नहीं की जाएगी।
13. यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त पूर्ण कार्य या इसके कोई भाग के विषय में यदि कोई धनराशि अन्य विभागीय बजट से स्वीकृत की गई हो तो उसे उस योजना के प्रति बुक करके उस धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
14. मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाए।
15. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जायेगा।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के 'अनुदान संख्या-13' के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता" के नामे डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. : 1105/XXVII(2)/2008 दिनांक 29जनवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

( विजय कुमार ढौंडियाल )  
अपर सचिव।

संख्या : 1685/IV(1)/2008-65(कुम्भ)08 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. अधिशासी अभियंता, सिंचाई खण्ड, हरिद्वार को आगणन की प्रति सहित प्रेषित।
12. गार्ड बुक।

आज्ञा से,  
( सुभाष चन्द्र )  
अनुसचिव।